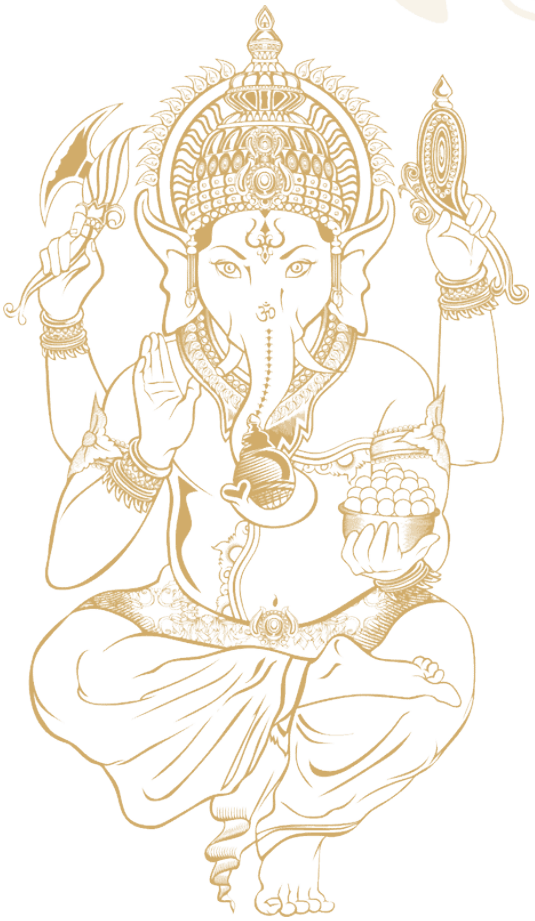

19 Feb 2026

07:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121332003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:45:00 घंटे**
इष्ट	32:01:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:50 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:02 घंटे
सूर्योदय	06:56:24 घंटे
सूर्यास्त	18:13:55 घंटे
दिनमान	11:17:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:43:01 कुम्भ
लग्न के अंश	27:25:09 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:25:09	317:34:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	06:43:01	01:00:31	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	02:42:00	13:39:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	27:06:33	00:47:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	24:48:13	01:00:38	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:29:04	00:03:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	17:14:47	01:15:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	06:24:07	00:06:50	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:43:18	00:00:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:43:18	00:00:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:20:31	00:00:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:29:27	00:02:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:02:38	00:01:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	27:03:27	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

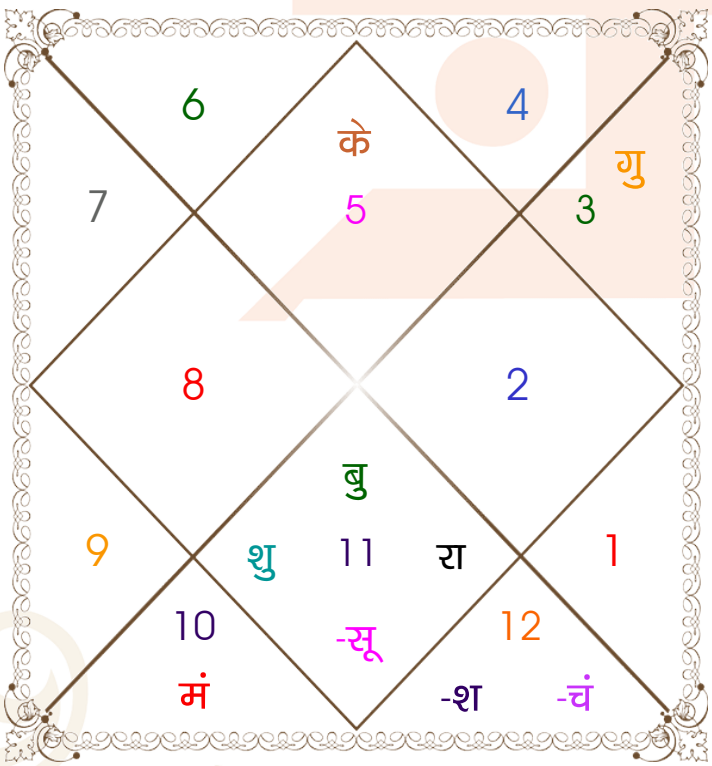

चन्द्र कुंडली

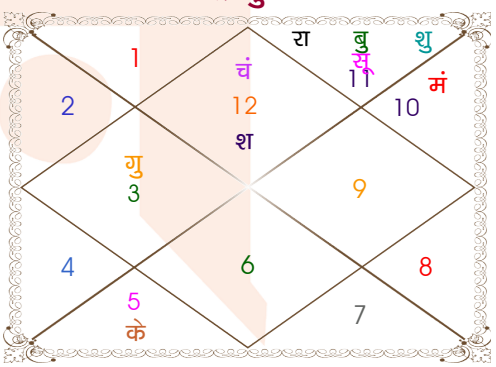

नवमांश कुंडली

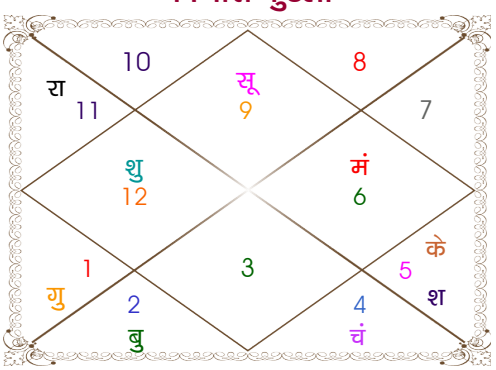

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 9 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/02/2026		24/11/2026		24/11/2045		24/11/2062		24/11/2069	
24/11/2026		24/11/2045		24/11/2062		24/11/2069		24/11/2089	
	00/00/0000	शनि	27/11/2029	बुध	21/04/2048	केतु	22/04/2063	शुक्र	25/03/2073
	00/00/0000	बुध	06/08/2032	केतु	19/04/2049	शुक्र	21/06/2064	सूर्य	25/03/2074
	00/00/0000	केतु	15/09/2033	शुक्र	17/02/2052	सूर्य	27/10/2064	चंद्र	24/11/2075
	00/00/0000	शुक्र	14/11/2036	सूर्य	24/12/2052	चंद्र	28/05/2065	मंगल	23/01/2077
	00/00/0000	सूर्य	27/10/2037	चंद्र	25/05/2054	मंगल	24/10/2065	राहु	24/01/2080
	00/00/0000	चंद्र	29/05/2039	मंगल	22/05/2055	राहु	12/11/2066	गुरु	24/09/2082
	00/00/0000	मंगल	06/07/2040	राहु	09/12/2057	गुरु	19/10/2067	शनि	24/11/2085
	19/02/2026	राहु	13/05/2043	गुरु	16/03/2060	शनि	26/11/2068	बुध	24/09/2088
राहु	24/11/2026	गुरु	24/11/2045	शनि	24/11/2062	बुध	24/11/2069	केतु	24/11/2089

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/11/2089		24/11/2095		25/11/2105		24/11/2112		25/11/2130	
24/11/2095		25/11/2105		24/11/2112		25/11/2130		20/02/2146	
सूर्य	13/03/2090	चंद्र	24/09/2096	मंगल	23/04/2106	राहु	08/08/2115	गुरु	12/01/2133
चंद्र	12/09/2090	मंगल	25/04/2097	राहु	11/05/2107	गुरु	31/12/2117	शनि	26/07/2135
मंगल	18/01/2091	राहु	24/10/2098	गुरु	16/04/2108	शनि	06/11/2120	बुध	31/10/2137
राहु	12/12/2091	गुरु	23/02/2100	शनि	26/05/2109	बुध	27/05/2123	केतु	07/10/2138
गुरु	30/09/2092	शनि	25/09/2101	बुध	23/05/2110	केतु	13/06/2124	शुक्र	07/06/2141
शनि	12/09/2093	बुध	24/02/2103	केतु	19/10/2110	शुक्र	14/06/2127	सूर्य	26/03/2142
बुध	19/07/2094	केतु	25/09/2103	शुक्र	20/12/2111	सूर्य	08/05/2128	चंद्र	26/07/2143
केतु	24/11/2094	शुक्र	26/05/2105	सूर्य	25/04/2112	चंद्र	06/11/2129	मंगल	01/07/2144
शुक्र	24/11/2095	सूर्य	25/11/2105	चंद्र	24/11/2112	मंगल	25/11/2130	राहु	20/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।